संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

2025–2026

भाग अ परिचय				
कार्यक्रम प्रमाण पत्र		कक्षा बी ए	द्वितीय सेमेस्टर	सत्र 2025–2026
विषयः हिंदी साहित्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड			
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्राचीन एवं मध्ययुगीन हिन्दी काव्य		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार / कोरकोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल /)	(कोर कोर्स) केन्द्रिक पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र प्रथम		
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए विद्यार्थी ने किसी भी विषय से कक्षा 12 वीं प्रमाण पत्र किया हो, पात्र है।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (कोर्स लर्निंग आउटकम)	1 इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परम्परा के साथ-साथ प्राचीन एवं मध्य युगीन हिन्दी काव्य की सुदीर्घ परम्परा से परिचित होंगे। 2. प्रसिद्ध रचनाओं के अध्ययन से देश की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से परिचित होंगे। 3. विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास होगा, उनकी जीवन दृष्टि का विस्तार होगा जिससे वह जीवन एवं जीवन मूल्यों को समझने में सक्षम होंगे। 4. रचनात्मक कौशल में दक्षता होगी जिससे उन्हें रोजगार की अनेक संभावनायें मिलेगी।		
6	क्रेडिट	06		
7	कुल अंक	अधिकतम 30+70 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 35		
भाग ब पाठ्यक्रम की विषयवस्तु				
व्याख्यान की कुल संख्या 90 (प्रति सप्ताह घन्टे में 02)				
इकाई	**विषय**			**व्याख्यान**

		की संख्या
इकाई 1	हिन्दी साहित्य और भारतीय ज्ञान परम्परा - (i) भारतीय ज्ञान परम्परा की अवधारणा (ii) भारतीय ज्ञान परम्परा में साहित्य-चिंतन (iii) प्राचीन हिन्दी साहित्य में भारतीय ज्ञान परंपरा स्वरुप एवं अंतरसंबंध (iv) मध्यकालीन हिन्दी साहित्य में भारतीय ज्ञान परम्परा स्वरुप एवं अन्तर संबंध गतिविधि - आलेख लेखन	10
इकाई 2	हिन्दी साहित्य का इतिहास - पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि (i) काल विभाजन एवं नामकरण (ii) आदिकाल : सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि (iii) आदिकालीन साहित्य प्रमुख प्रवृत्तियाँ (iv) आदिकालीन प्रमुख कवि : समीक्षा एवं व्याख्या गोरखनाथ, चंदबरदाई. गोरखनाथ –गोरखबानी सबदी 1. मनसा मेरी ब्यौपार बांधौ. . . 2. अवधू बोल्या तत विचारी. . . चंदबरदायी कनबज समय 1. चढ़ि तुरंग चहुवान। पान फेरीत परद्धार 2. हंस न्याय दुब्बरौ। मुत्ति लम्भै न चुनंतह 3. पुरै न लग्गी आरि । भारि लदयौ न पिट्ठ पर गतिविधियाँ - 1. हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रवाह तालिका (फ्लो चार्ट) बनाना। 2. काव्य पाठ एवं रचनाओं की मौलिक समीक्षा 3. विद्यार्थियों के विचार आमंत्रित करना, समूह चर्चा करवाना।	20
इकाई 3	भक्तिकाल - निर्गुण भक्तिकाल एवं प्रमुख कवि (i) भक्ति आंदोलन - सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि (ii) निर्गुण भक्ति काव्य एवं प्रवृत्तियाँ	

	(iii) प्रमुख कवि एवं काव्य - कबीर, रैदास, (ज्ञानाश्रयी शाखा) कबीर साखी (गुरुदेव कौ अंग) (i) सतगुरु सवाँन को सगा (ii) सतगुरु के सदकै करूँ (iii) सतगुरु साँचा सूरिवाँ (iv) पीछे लागा जाइ था (v) ज्ञान प्रकास्या गुर मिल्या पद- (i) दुलहनी गाबहु मंगलचार (ii) पंडित बाद बंदते झूठा (iii) लोका मति के भोरा रे रैदास (i) राम बिन संसै गाँठि न छूटै (ii) भगति दुर्लभ सुनहु रे भाई (iii) तेही नोही मोही तोही अंतरु कैसा (iv) जड़ तुम गिरिवर तठ हम मोरा जायसी (प्रेमाश्रयी शाखा) मानसरोदक खण्ड (i) एक दिवस पून्यौ तिथि आई (ii) खेलत मानसरोबर गई (iii) मिलहि रहसि सब चढहिं डिंडोरी गतिविधियाँ- 1 काव्य पाठ, सस्वर गीत प्रस्तुतीकरण 2 संत रैदास के साहित्य में निहित सामाजिक संदेश पर विद्यार्थियों के मौलिक विचार आमंत्रित करना।	**20**
इकाई 4	सगुण भक्ति काव्य एवं प्रमुख कवि (i) सगुण भक्ति काव्य: प्रमुख प्रवृत्तियाँ (ii) प्रमुख कवि - तुलसी, सूर, मीराबाई तुलसीदास	

	(i) तू दयालु, दीन हौं, तू दानि, हौं भिखारी (ii) ऐसी मूढता या मन की (iii) कह रघुपति सुनु भामिनि बाता प्रेम सहित सब कथा सुनाई। सूरदास 1. अवगति गति कछु कहत न आवै। 2. मैया मोहि दाऊ बहुत खिझायौ। 3. सेंदेसो देवकी सौं कहियौ। 4. बिन गोपाल बैरिन भई कुंजै। मीराबाई पद 1. मण थे परस हरि रे चरण। 2. पपइया म्हारो कब रौ बैर चितारयाँ। 3. होरी खेलत हैं गिरधारी। 4. पायोजी मैं तो राम रतन धन पायो। 5. हैरी म्हा तो दरद दिवाँणी म्हाराँ... गतिविधियाँ 1. स्थानीय साहित्यकारों के गीतों का संकलन 2. स्थानीय साहित्यकारों के काव्य की समीक्षा 3. कवियों की रचनाओं का सस्वर पाठ 4. सामाजिक संदेश देने वाली स्वरचित कविताओं का प्रस्तुतीकरण	**20**
इकाई 5	रीतिकाल पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि (i) रीतिकाल : सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि (ii) रीतिकाव्य: प्रमुख भेद (रीतिबद्ध, रीति सिद्ध, रीतिमुक्त) (iii) रीति-काव्य: प्रमुख प्रवृत्तियाँ (iv) प्रमुख कवि केशव, भूषण, बिहारी, घनानंद अन्य कवि - रहीम, रसखान व्याख्यांश - केशव	

	1. सिंध तरयो उनको बनरा 2. पेट चढ़यौ पलना पलका 3. हाथी न साथी न घोड़े 4. पाहन ते पतिनी करि भूषण 1. प्रेतिनी पिशाचडरु निसाचर निसाचरिहु 2. उतै पातसाहज के गजन के ठट्ट छुटे 3. जीत्यो सिवराज सलहेरि को समर मुनि 4. चले चंदबान धनवान औ कुहूकबान 5. हैबर हरट्ट साजि गैबर गरट्ट सम बिहारी 1. मेरी भव-बाधा हरौ 2. सीस-मुकुट, कटि काछनी, कर मुरली 3. कोउ कौटिक संग्रहौ, कोऊ लाख हजार 4. नर की अरु नल-नीर की 5. तो पर वारौं उरवसी 6. अजौ तरयौना ही रहौ, श्रुति सेवत इक रंग 7. झीनै पट में झुलमुली 8. ओछे बड़े न है सकै 9. डिगत पानि डिगुलात गिरि 10. या अनुरागी चित्त की गति..... घनानन्द 1. अति सूघो सनेह को मारग..... 2. परकाजहि देह कों धारि फिरौं 3. अन्तर मैं वासी पै प्रवासी को सो अन्तर है.... 4. चंद चकोर की चाह करै, हम आनंद रहीम 1. रहिमन विपदा हूँ भली जे 2. रहिमन वे नर चुके	20

	3. रहिमन धागा प्रेम का 4. खीरा सिर ते काटिए 5. जे रहीम उत्तम प्रकृति 6. कदली सीप भुजंग मुख 7 रहिमन देखि बड़ेन को लघु न दीजिए डार रसखान 1. मानुस हौं तो बही रसखान 2. शेष गनेश सुरेश दिनेश 3. या लकुटी अरु कामरिया 4. धूरि भरे अति सोभित 5. सुनिये सबकी कहिए न कछू गतिविधियाँ - 1. भक्तिकालीन काव्य की प्रवाह तालिका (फ्लो चार्ट) बनाना। 2.भक्तिकालीन कवियों की कविताओं में नीतिपरक संदेशों का अन्वेषण करना तथा उनमें निहित नीति वाक्यों का संकलन करना। 3. भक्तिकालीन कविता में निहित सामाजिक समरसता को खोजकर उदाहरण प्रस्तुत करना। 4. कविताओं में निहित रस, छंद, अलंकार, बिम्ब और प्रतीकों की पहचान करना। पोस्टर बनाना, प्रवाह तालिका (चार्ट बनाना)।	
सार बिन्दु (की वर्ड) / साहित्य, भारतीय ज्ञान परम्परा, अंतस्संबंध सामाजिक समरसता,साहित्य समीक्षा आदि		

नोट:

1. विद्यार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक गतिविधि में भाग लेना एवं उसे कुशलतापूर्वक पूर्ण करना अनिवार्य है।

2. इन गतिविधियों में विद्यार्थियों के समूह बनाये जा सकते हैं।

भाग-स अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रंथ/ अन्य पाठ्यक्रम संसाधन/ पाठ्यसामग्री:

पाठ्य पुस्तकें :

संदर्भ ग्रंथ -

1. संत रैदास जीवनी एवं पदावली-संपादन मिश्र, अशोक आदिवासी लोक कला अकादमी, भोपाल
2. सिंह, कुँवरपाल डॉ. - 'भक्ति आन्दोलन इतिहास और संस्कृति', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. वर्मा, धनंजय, 'सुगम हिन्दी' म.प्र. हिन्दी अकादमी, भोपाल
4. वर्मा, धीरेन्द्र, डॉ. 'सूरसागर सार'- सं. हरिश्चन्द्र प्रकाशन मंदिर, दिल्ली
5. गोस्वामी, तुलसीदास 'श्रीरामचरितमानस' - गीता प्रेस, गोरखपुर
6. गोस्वामी, तुलसीदास विनय पत्रिका -गीता प्रेस, गोरखपुर
7. 'केशवदास' रामचंद्रिका टीकाकार-लाला भगवानदीन, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
8. नगेन्द्र डॉ. संपादक, हिन्दी साहित्य का इतिहास', नेशनल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली
9. नगेन्द्र, डॉ. 'रीतिकाव्य की भूमिका', नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली
10. मिश्रा, विश्वनाथ प्रसाद - घनानंद कवित्त, साहित्य सरोवर, इलाहाबाद
11. मिश्र, विद्यानिवास, रहीम ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
12 पाण्डेय मैनेजर, भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. रत्नाकर जगन्नाथदास, बिहारी रत्नाकर - रत्ना पब्लिकेशन, वाराणसी
14. शर्मा रामकिशोर, शर्मा सुजीत कुमार, मीराँवाई की संपूर्ण पदावली सं. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
15. शुक्ल, रामचन्द्र - हिन्दी साहित्य का इतिहास, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
16. शुक्ल, रामचन्द्र - पद्मावत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
17. पाण्डेय, राजबली - हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
18. गुप्त लक्ष्मीनारायण डॉ. 'श्रीरामचरित मानस में तुलसी की नैतिक मान्यताएँ, विश्वबंधु शिवानी प्रकाशन, भोपाल
19. दास, श्याम सुन्दर, 'कबीर ग्रंथावली'(सटीक) सं. इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग
20. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, कबीर' राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
21. वियोगी हरि, डॉ. - विनय पत्रिका' गीता प्रेस, गोरखपुर
22. शर्मा पंडित हरिहरण शिवा बावनी - भूषण, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेब लिंक

www.hindi samay.com
www.sahityamanjari.com
www.hindisahitya.org
www.sahityaakademi.gov.in

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ		
अनुशंसित सतत् मूल्यांकन विधियाँ अधिकतम अंक : 100		
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70		
आंतरिक मूल्यांकनः क्लास टेस्ट सतत व्यापक मूल्यांकन : असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) (CCE)		15 15 कुल अंक : 30
आकलन :	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द) अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03x02 = 06 04x09 = 36 02x14 = 28 कुल अंक : 70